Total Printed Page : 4 **Roll No.....**

MASL - 101
वेद एवं निरूक्त
एम0ए0 संस्कृत (एमएएसएल - 12/16/17)
प्रथम वर्ष, सत्र 2019

समय 3 घंटा **पूर्णांकः 80**

नोटः यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (3) खण्डों क, ख, तथा ग में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोटः खण्ड 'क' में चार (4) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गये है प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (2) प्रश्नों के उत्तर देने है।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

क. नूनं सा ते प्रति वरं जरिगे दुहीयदिन्द्र दक्षिणा मघोनी।
शिक्षा स्तोतृथ्यों माति धम्यगो नो बृहद्वदेम विदये सुवीराः।।

ख. उषो देवमर्त्या विभाहि चन्द्ररथा सूनृता ईरयन्ती।
आत्वा वहन्तु सुयभासो अश्वा हिरण्यवर्णा पृथुयाजसो ये।।

ग. अनुव्रतः पितुः पुत्रो माता भवतु संमनाः।

जाया पत्ये मधुमतीं वाचं वदतु शान्ति वाम्।।

घ. को अद्धावेद क इह प्रवोचत्कुत इयं निसृष्टिः।

अर्वाग्देवा अस्य विसर्जनेनाथा को वेदयत।।

2. सामनस्य सूक्त के प्रतिपाद्य विषय एवं महत्व पर एक निबन्ध लिखिए।
3. उपनिषद साहित्य ही वेदान्त कहा जाता है, सप्रमाण सिद्ध कीजिए।
4. वेदाङ्गों में निरूक्त के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में आठ (8) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये है प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (8) अंक निर्धारित है, शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (4) प्रश्नों के उत्तर देने है।

1. निरूवत के आधार पर शब्द के नित्यत्व पर टिप्पणी लिखिए।
2. नासदीव सूक्त की विषयवस्तु का विवेचन कीजिए।
3. सामनस्य सूक्त की काव्यगत विशेषताएं लिखिए।
4. ''मुखं व्याकरणं स्मृतम्'' सूक्ति की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
5. ''कुर्वन्नेवेह कर्माणि.....।।'' मन्त्र का परिचय देते हुए इसके भाव को स्पष्ट कीजिए।
6. ईशोपनिषद की विषय वस्तु का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।
7. पाणिनीय शिक्षा के अनुसार वर्णों का परिचय दीजिए।
8. वेदों का परिचय देते हुए वेद के वाचक शब्दों पर एक टिप्पणी लिखिए।

खण्ड-ग
वस्तुनिष्ठ प्रश्न

नोटः खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (1) अंक निर्धारित है, इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए।

1. इन्द्र सूक्त के ऋषि कौन हैं?

   (अ) विश्वामित्र (ब) गृत्समद

   (स) दीर्धतमा (द) वसिष्ठ

2. अंगिरा आदि ऋृषियों की स्तुति पर इन्द्र ने किस दैत्य का वध किया?

   (अ) बाल (ब) बल

   (स) दैत्यारि (द) बालासुर

3. उषस सूक्त में किस छन्द का प्रयोग किया गया है?

   (अ) त्रिष्टुय् (ब) वंशस्थ

   (स) मालिनी (द) अनुष्टुप्

4. नासदीय सूक्त ऋग्वेद के किस मण्डल से गृहीत है।

   (अ) द्वितीय मण्डल (ब) तृतीय मण्डल

   (स) पंचम मण्डल (द) दशम् मण्डल

5. सामनस्य सूक्त किस वेद से गृहीत है?

(अ) ऋग्वेद (ब) अथर्ववेद

(स) यर्जुवेद (द) सामवेद

6. साधु शब्दों का ज्ञान किस शास्त्र के द्वारा होता है?

(अ) न्याय शास्त्र (ब) योग शास्त्र

(स) व्याकरण शास्त्र (द) साहित्य शास्त्र

7. ईशावास्योपनिषद किस वेद से सम्बन्धित है?

(अ) ऋग्वेद (ब) शुक्ल यर्जुवेद

(स) कृष्ण यर्जुवेद (द) सामवेद

8. वेदाङ्ग में परिगणित 'छन्द' वेद रूपी पुरूष का कौन सा अंग है?

(अ) पाद (ब) हस्त

(स) मुख (द) नेत्र

9. आस्तिक दर्शनों की संख्या कितनी है?

(अ) पांच (ब) छः

(स) सात (द) आठ

10. नासदीय सूक्त में किस विषय का वर्णन है?

(अ) कर्मफल व्यावस्था (ब) पुनर्जन्म व्यवस्था

(स) सृष्टि उत्पत्ति (द) कर्मकाण्ड

*****